आरती अवध बिहारी की दयामयी जनकदुलारी की लिरिक्स

आरती अवध बिहारी की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

सिंहासन सोहे युगल सरकार,
परस्पर हँसी हेरत हर बार,
मधुर कछु बोल लेत मन मोल,
ललित छवि प्रीतम प्यारी की,
दयामयी जनकदुलारी की,
आरतीं अवध बिहारीं की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

अलोकत पाय अंजनीलाल,
निरखि पग पंकज होत निहाल,
कहत रघुराई धन्य सेवकाई,
पवनसुत गिरिवर धारी की,
दयामयी जनकदुलारी की,
आरतीं अवध बिहारीं की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

भरतजू ठाड़े भाव विभोर,
लखन रिपु दमन लाल करजोर,
लखे मुख चंद लेत आनंद,
धन्य शोभा धनुधारी की,
दयामयी जनकदुलारी की,
आरतीं अवध बिहारीं की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

आरती जो कोई जन गावे,
प्रभु पद प्रेम अवश्य पावे,
शरण राजेश दवे अवधेस,
बोलिए जय जय भयहारी की,
दयामयी जनकदुलारी की,
आरतीं अवध बिहारीं की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आरती अवध बिहारी की,
दयामयी जनकदुलारी की।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com